हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025

9 6 से 8 कक्षा वर्ग में शंकर व ममता 9 से 10 में...

10 किसान सभा ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति की यात्रा ...

HURRY UP ! Limited Seats
NEET JEE NTSE NDA MNS AIRFORCE
★Free Doubt Class ★AC Class Rooms
★Free Extra Class ★Join H.D. for Success
★No Tuition No Tension★ Direct Bus Service From Ch. Dadri
FREE DEMO Classes
Science (Medical, Non-Medical) Commerce, Arts
H.D. Public School Birohar
A Co-Education English Medium | C.B.S.E Affiliated Sr. Sec. School
Admission Open Nur. to 9th & 11th
For Session 2025-26
M. 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

हॉस्पिटल व कृष्णा कॉलोनी की बिजली रहेगी बंद

भिवानी। मंगलवार 22 अप्रैल को केवी हॉस्पिटल फीडर व 11 केवी कृष्णा कॉलोनी फीडर क्षेत्र में पेड़ों की कटिंग व मरम्मत कार्य किया जाना हैं, जिसे कारण इनके अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की बिजली सप्लाई सुबह छह बजे से नौ बजे तक पूर्णरूप से बंद रहेगी। बिजली निगम के जेई पवन कुमार ने बताया कि सुबह छह बजे से नौ बजे तक दोनों फीडर बंद होने से इनके अंतर्गत आने वाले सिविल हॉस्पिटल, कृष्णा कॉलोनी, घंटाघर चौक, वैश्य कॉलेज क्षेत्र की बिजली बाधित रहेगी।

अनियंत्रित मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराई

बवानीखेड़ा। हांसी भिवानी मार्ग पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने के कारण डिवाइडर से टकरा गई। बाइक पर सवार तीन व्यक्तियों चोटें आई। मोटरसाइकिल सवारों को नागरिक अस्पताल बवानी खेड़ा लाया गया जहां प्राथमिक उपचार पश्चात गंभीर अवस्था होने के कारण भिवानी रेफर कर दिया गया। सामान्य अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि लोहारी जाटू निवासी 17 वर्षीय अमन, 32 वर्षीय अक्षय, 28 वर्षीय हरिदास मोटरसाइकिल पर सवार थे और नशे की हालत में थे। इनका वाहन डिवाइडर में लगने से हरिदास के पांव में फ्रैक्चर हो गया व अन्य दो को सिर में चोटें आई। प्राथमिक उपचार पश्चात तीनों को भिवानी के नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ग्रीन बेल्ट में लगी आग, दमकल की गाड़ी ने आधे घंटे में की शांत

करीब 40 से 45 हरे पेड़ पूरी तरह से झुलस गए, सूचना के बाद पुलिस भी पहुंच गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सोमवार अल सुबह अचानक भीम स्टेडियम के सामने ग्रीन बेल्ट में पेड़ों के सूखे पड़े पत्तों में आग लग गई। आग लगते ही हरे भरे पेड़ों को भी अपनी चपेट में लेना आरंभ कर दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने इस बारे में अग्निशमन दस्ते को सूचना दी। सूचना के बाद तत्काल दस्ता मौके पर पहुंचा और आग को बुझाने में जुट गया। आग से करीब तीन से चार दर्जन हरे पेड़ झुलस गए। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ही आग को शांत किया जा सका। जानकारी के अनुसार सुबह करीब सात बजे के आसपास भीम स्टेडियम के सामने बनी ग्रीन बेल्ट में जमीन पर पड़े सूखे पत्तों में आग लग गई। देखते देखते ही आग की लपटों ने बड़े पेड़ों को भी अपने आगौश में लेना आरंभ कर दिया। करीब एक दर्जन से ज्यादा हरे भरे पेड़ झुलस गए। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने अग्निशमन दस्ते को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल का दस्ता मौके पर पहुंचा और आग बुझाने में जुट गया। करीब आधा घंटे तक दमकल केदस्ते ने आग की लपटों पर पानी डाला। तब जाकर आग शांत हुई। इस दौरान करीब 40 से 45 हरे पेड़ पूरी तरह से आग से झुलस गए।

■ राहगीर की सूचना पर शीघ्र ही दमकल विभाग का दस्ता मौके पर पहुंच गया और आग को काबू किया।

सूखे पत्तों में लगाई आग

इस वक्त पेड़ पौधों के नीचे सूखे पत्ते पड़े है। माना जा रहा है कि किसी व्यक्ति ने इन सूखे पत्तों को इक्कठा किया और उनको सुलगा दिया। कुछ देर तक पत्ते सुलगते रहे। उसके बाद अचानक हवा के झौंके साथ इसमें से आग की लपटें निकलनी शुरू हो गई। पेड़ों के नीचे सूखे पत्ते होने की वजह से आग आगे बढनी शुरू हो गई। जल्दी ही आग ने अपनी जद में अनेक हरे पेड़ों को ले लिया और वे भी झुलसने लगे। गनीमत यह रही है कि राहगीर की सूचना पर शीघ्र ही दमकल विभाग का दस्ता मौके पर पहुंच गया और आग को काबू किया। अगर थोडी सी भी देरी हो जाती तो आग को काबू में किया जाना मुश्किल हो जाता।

पुलिस भी पहुंची मौके पर : इसी दौरान सूचना के बाद 112 पर डायल करने के बाद पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस व अग्निशमन दस्ते के सदस्यों ने आग को बुझाया।

बवानीखेड़ा। वार्डवासियों की समस्याएं सुनते हुए एसडीओ जयसिंह व कनिष्ट अभियंता सचिन कौशिक। फोटो : हरिभूमि

पानी की समस्या को लेकर गरजे वार्डवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

■ मौके पर एसडीओ और जेई ने आश्वासन देकर लोगों को किया शांत

बवानी खेड़ा के सामान्य बस स्टैड के सामने गाड़िया लोहार बस्ती में पिछले कई माह से पानी की समस्या को लेकर वार्डवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया जिसको लेकर वार्डवासियों ने नारेबाजी करते हुए रोष प्रदर्शन कर रोड़ जाम करने की चेतावनी दी। सूचना मिलते ही विभाग के जेई व एसडीओ मौके पर पहुंचे और मामला शांत किया।

वार्डवासियों में विष्णु डावर, धर्मबीर सिंह, कर्मबीर, नरेश, अजय कुमार, कांता देवी, कांता आदि ने बताया कि उनके वार्ड में पिछले 7-8 माह से पीने के पानी की समस्या बनी हुई है। पहले पानी सही आता था लेकिन अब पानी नलों के माध्यम से उनके बर्तन में पहुंचता ही है कि उससे पहले बंद हो जाता है। जिसके कारण उन्हें दूर दराज से पानी लाकर अपनी प्यास बूझानी पड़ रही है। इसको लेकर कई बार विभाग को अवगत कराया लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। समस्या के समाधान न होने पर वार्डवासियों ने सोमवार को रोष जाहिर कर रोड़ जाम करने की चेतावनी दी। सूचना मिलते ही उपमंडल अभियंता, कनिष्ट अभियंता मौके पर पहुंचे और वार्डवासियों की समस्याएं सुनी। दूसरी तरफ इस बारे में एसडीओ जयसिंह व कनिष्ट अभियंता सचिन कौशिक ने बताया कि जल्द ही लाइन को चैक करवाया जाएगा यदि कोई समस्या है तो उसे दुरूस्त करवाया जाएगा।

राज्यसभा सांसद पं. कार्तिकेय शर्मा आज भिवानी में

भिवानी। पंचकुला के चौ. देवीलाल स्टेडियम में भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर 27 अप्रैल को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु राज्यसभा सांसद पं.

कार्तिकेय शर्मा 22 अप्रैल को दोपहर 3 बजे स्थानीय कीर्ति नगर स्थित सांस्कृतिक सदन में ब्राह्मण समाज के लोगों से मुलाकात करेंगे तथा उन्हें जन्मोत्सव का निमंत्रण भी देंगे। यह जानकारी देते हुए जयभगवान शर्मा मित्ताथल ने बताया कि भगवान परशुराम जनकल्याण समिति भिवानी के तत्वाधान में राज्यसभा सांसद पं. कार्तिकेय शर्मा का अभिनंदन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवियों, जिला पार्षदों, सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों से विचार विमर्श कर सांसद कार्तिकेय शर्मा के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस अवसर पर पं. शीलकराम कौशिक, एडवोकेट देवकांत शर्मा, सुशील शर्मा गोलागढ, मैनेजर दयानंद शर्मा, सुरेश शर्मा कोहाडिया, प्रो. देवेन्द्र अत्री, पूर्व सरपंच औमप्रकाश शर्मा लोहानी, एडवोकेट विनोद भारद्वाज, पं. मनीराम पटौदी आदि उपस्थित रहे।

हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसपी से मिले लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ ग्रामीण बोले : अगर जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो सड़कों पर उतरने को होंगे मजबूर

गांव हालवास के राकेश हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण एसपी कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने इस हत्याकांड के सभी आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने की मांग की। साथ ही ग्रामीणों ने इस मामले के षडयंत्रकारियों को भी गिरफ्तार करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर इस हत्याकांड के सभी आरोपी नहीं गिरफ्तार किए गए तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

वहीं इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करवाए जाने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह गांव हालवास में प्लाट की पैमाईश को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के एक युवक पर लाठी डंडों से हमला करके जख्मी कर दिया था। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस दौरान मृतक की मां व उसका ताऊ भी गंभीर रुप से घायल हुए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया तथा घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया गया था। पुलिस ने मामले में एक दर्जन लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच आरंभ कर दी। आज इसी मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गांव हालवास के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचे।ग्रामीणों ने एसपी से इस मामले के सभी आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने की मांग की।

इस घटना को एक साजिश के तहत अंजाम दिया है। एसपी ने जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार करवाए जो का आश्वासन दिया। साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। इस मौके पर जितेंद्र, रामकिशन हालवासिया, रतन सिंह, राजेंद्र, अर्जुन, विनोद, महाबीर, रमेश फौजी, बजरंग परमार, राजेंद्र, सुखबीर, प्रकाश, बनवारी, विजय परमार, सोनू सरपंच, नरेंद्र, अनिल, रामौतार, सूबे सिंह, शिवचरण आदि मौजूद थे।

भिवानी राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला 25 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी महावीर कौशिक ने बताया कि राजकीय आईटीआई भिवानी में 25 अप्रैल को प्रात 09.00 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में फीटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, वेल्डर, मशीनिस्ट, वायरमैन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, आरएसी, ट्रेक्टर मैकेनिक, टीपीईएस, शीट मेटल, फाउंड्रीमैन ट्रेड से पास लडक़े व लड़कियां भाग ले सकते हैं।

आईटीआई प्रधानाचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि इस रोजगार मेले में अह्रेस्टी इंडिया प्रा.लि. बावल रेवाड़ी, कॉन्टिनेंटल इंजन प्रा.लि. भिवाड़ी राजस्थान, एशियन ऑटोमोटिव हरियाणा प्रा.लि. के अधिकारी विद्यार्थियों का अप्रेंटिस व प्लेसमेंट के लिए चयन करेंगे। आईटीआई पास छात्र-छात्राएं जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष तक हो वे इस रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। वर्ग अनुदेशक वीरेंद्र कुमार, राजकुमार आर्य व शिक्षुता अनुदेशक अमरदीप मलिक ने आईटीआई पास विद्यार्थियों को अधिक से अधिक इस रोजगार मेले में भाग लेकर लाभ उठाने की अपील की है।

राजेश कुमार सनसनीवाल बने वाइस प्रेजिडेंट, विधायक ने किया सम्मानित

बवानीखेड़ा। गांव पुर के राजेश कुमार हेल्थ इंस्पेक्टर नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट को पैरा कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया का वाइस प्रेसिडेंट बनाने पर पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक एवं जिला महामंत्री शकुंतला प्रधान एवं गुरुकुल विद्यापीठ की प्राचार्य मंजू ने सम्मानित किया। राजेंद्र सिंह प्रिंसिपल अध्यक्ष पैरा कबड्डी एसोसिएशन ऑफ हरियाणा एवं शकुंतला प्रधान पैरा कबड्डी हरियाणा कोषाध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारियो ने हरियाणा प्रदेश की कमेटी ने इंडिया के अध्यक्ष महेश गोडा कर्नाटक का धन्यवाद किया। विधायक घनश्याम ने बताया की राजेश कुमार को इंडिया का वाइस प्रेसिडेंट बनने से हरियाणा प्रदेश के पैरा कबड्डी के खिलाड़ियों को उन्नति पर पहुंचने के लिए मदद मिलेगी हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ी को नेशनल चौंपियनशिप और इंडिया के खिलाड़ीयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का और भारत का नाम रोशन करेंगे।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

अंडर-19 में वैभव और पलक शर्मा बने विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ बैडमिंटन से युवाओं का होता है शारीरिक व मानसिक विकास : सांसद धर्मबीर सिंह

■ प्रतियोगिता में 200 खिलाड़ियों ने लिया भाग

बैडमिंटन वेलफेयर एसोसिएशन भिवानी द्वारा कर्मयोगी स्व. ज्ञानीराम कुकरेजा की स्मृति में भीम स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल में आयोजित करवाई गई तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता का समापन हो गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ उपायुक्त महाबीर कौशिक ने किया तथा समापन अवसर पर भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौ. धर्मबीर सिंह पहुंचे तथा विजेताओं को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में अंडर-11, अंडर-13 अंडर-15 अंडर-17 व अंडर-19 आयु वर्ग के करीबन 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए बैडमिंटन वेलफेयर एसो. भिवानी के प्रधान प्रो. सुरेश के. गुप्ता एवं महासचिव सतवेंद्र सिंह ने बताया कि लड़को की अंडर-11 आयु वर्ग की सिंगलस स्पर्धा में देवान संधु व अरिहान शर्मा, डबलस में देवान व अरिहान तथा हितार्थ व हितांश, अंडर-13 आयु वर्ग के सिंगलस में अनादि सिंघल व देवान संधु तथा डबलस में वैदिक व देवान तथा दिव्यांग व खुशहाल, अंडर-15 आयु वर्ग के सिंगलस में नमन व मुकल तथा डबलस में नमन व दिव्यांशु तथा आदर्श व देवांशुल, अंडर-17 आयु वर्ग के सिंगलस में सूर्यांश व आहान तथा डबलस में नमन व सूर्यांश तथा अर्जुन वर्मा व भव्य, अंडर-19 आयु वर्ग के सिंगलस में वैभव व रेहान तथा डबलस में विभोर व रेहान तथा नमन व सूर्यांश क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रहे। लड़कियों की अंडर-13 आयु वर्ग की सिंगलस स्पर्धा में स्वस्तिका व कायरा पहले व दूसरे स्थान पर रही। डबलस में यशिता व कायरा विजेता रही। अंडर-15 आयु वर्ग की सिंगलस स्पर्धा में समिधा व काव्या पहले दो स्थान पर रही। अंडर-17 आयु वर्ग की सिंगलस स्पर्धा में प्रकृति व साक्षी तथा डबलस में गरिका व काव्या तथा साक्षी व मिष्ठी, अंडर-19 आयु वर्ग की सिंगलस स्पर्धा में पलक शर्मा व प्रकृति क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रही। उन्होंने बताया कि सभी विजेता खिलाड़ियोंका चयन राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए हुआ। इस मौके पर सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने कहा कि जीवन में पहला सुख निरोगी काया का होगा है। ऐसे में बैडमिंटन से व्यक्ति का पूर्ण रूप से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि आज हर इंसान अनेक कामों में व्यस्त रहता है और खाना भी ज़हरीला है। ऐसे में सरकार खेलों को प्रोत्साहित कर रही है, ताकि हर इंसान बचपन से लेकर बुढ़ापे तक निरोग रहे। इस अवसर पर समाजसेवी जवाहरलाल मिताथलिया, मा. करतार सिंह, अनिल सांगवान, मितेश शर्मा, रोहित साई कोच, अर्जुन अवॉर्डी रोहित भाकर, महेश कोच, सुमित, पवन शर्मा, कीर्तेश आरबीआई, पवन मस्ता सहित अन्य खेलप्रेमी मौजूद रहे।

हिमांशु का जेईई मेंस में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीआरके आदर्श विद्या मंदिर के बारहवीं कक्षा के छात्र हिमांशु ने जेईई मेनस में 92 परसनाटाइल प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। उसकी शानदार सफलता पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। हिमांशु के पिता रामचन्द्र ने अपने बेटे की सफलता का श्रेय दादरी शिक्षण समिति की अध्यक्षा डॉ. विद्या गुप्ता, स्कूल प्राचार्य अवनिन्द्र सती व पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को दिया है। पूर्व प्रधान अशोक गुप्ता ने हिमांशु को उत्कृष्ट सफलता पर बधाई दी तथा जीवन में इसी तरह से आगे बढ़ते रहकर अपने विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महासचिव हरिराम खुड़ानिया सहित अन्य पदाधिकारी व शिक्षक मौजूद रहे।

लिटिल हार्टियंस ने जेईई मेंस परीक्षा में लहराया परचम

भिवानी। लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल के होनहार विद्यार्थी हिना सोनी, भव्या कुमारी, ऐश्वर्या, दिनेश, आदित्य, गौरव, नैन्सी व खुशी ने भारत सरकार द्वारा गठित नैशनल टैस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित जेईई की मेन परीक्षा में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने क्रमशः 99 प्रसेंटाइल, 96 प्रसेंटाइल, 95 प्रसेंटाइल, 92 प्रसेंटाइल, 89 प्रसेंटाइल, 87 प्रसेंटाइल, 83 प्रसेंटाइल व 81 प्रसेंटाइल से उतीर्ण कर जेईई एडवांस परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया व अपने माता-पिता, विद्यालय व भिवानी का नाम रोशन किया। इन विद्यार्थियों के माता-पिता व अध्यापक उन पर गर्व महसूस करते हुए बहुत खुशी का अनुभव कर रहे है व पूरे विद्यालय में खुशी का माहौल छाया हुआ है। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि ये विद्यार्थी अपनी कक्षा में अग्रणी रहे हैं व ऐसी गतिविधियों में भाग लेते हुए विद्यालय के होनहार व प्रतिभावान छात्र रहे है। इस अवसर पर प्रबंधक सतीश गोयल, रविन्द्र गोयल, निदेशिका एश्वर्या सिंघल, निदेशक रामानन्द सिंघल, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल, मेघा जैन, साक्षी गोयल, प्राचार्य दीपक जोशी, उपप्राचार्य मनमोहन चावला व सुदेश तुलस्यान, को-ओर्डिनेटर संचित जैन आदि उपस्थित रहे।

सहेली

विशेष : पृथ्वी दिवस

आज धरती का अस्तित्व खतरे में है। प्रदूषित पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग हमारी धरती के सामने बहुत बड़े संकट बनकर खड़े हैं। इस समस्या को वही गहराई से समझ सकता है, जो संवेदनशील है। ऐसी संवेदनशीलता महिलाओं में ही दिखती है। धरती हरी-भरी रहे, संरक्षित रहे, इसके लिए महिलाएं निरंतर एक प्रतिबद्धता के साथ काम भी कर रही हैं। दुनिया भर के पर्यावरणविद भी इस बात को स्वीकारते हैं कि हमारे पर्यावरण को सरकारें नहीं, महिलाएं ही बचा सकती हैं। पृथ्वी के संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी पर एक जरूरी विमर्श।

महिलाओं के ही हाथ सुरक्षित है धरती

आवरण कथा

संध्या सिंह

पृथ्वी केवल एक ग्रह ही नहीं है, हम पृथ्वी को धरती मां भी कहते हैं। ठीक उसी तरह जैसे स्त्री केवल एक इंसान भर नहीं है, वह मां भी है। धरती और स्त्री दोनों में बहुत-सी समानताएं हैं, दोनों ही जीवन देती हैं, दोनों ही जीवन को पालती हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के उसे सहेजती भी हैं। इसलिए जब हम पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) मनाते हैं, तो दिलो-दिमाग में यह आना स्वाभाविक है कि धरती को बचाने की सबसे मजबूत आशा महिलाओं से ही की जाती है। विशेषकर उन महिलाओं की ओर हमें देखना होगा, जो मिट्टी से जुड़ी हैं, जंगल को जानती-समझती हैं, जल संरक्षण करती हैं, जिनके कंधों पर सदियों से कृषि का भार रहा है। ये सब महिलाएं हैं, जिन्हें चाहे कोई कहे या न कहे, ये पर्यावरण की स्वतः रक्षक हैं। इसलिए दुनिया को धरती बचाने की मुहिम में महिलाओं को कारगर भूमिका में लाना चाहिए, तभी धरती के बचने की उम्मीद की जा सकती है।

पृथ्वी-स्त्री दोनों हैं जन्मदायिनी शक्तियां: प्रकृति को भी भारतीय परंपरा में धरित्री, वसुधा और भूमाता कहा जाता है, क्योंकि स्त्री की तरह पृथ्वी या धरती भी जननी है। दोनों ही जीवन की संरचना और निरंतरता का आधार हैं। दोनों ही सृजन करती हैं,

एक धरती को हरा-भरा करती है, दूसरी कोख को। दोनों का मूल स्वभाव सहनशीलता और पुनर्निर्माण है, क्योंकि दोनों में संवेदना है। यह अकारण नहीं है कि गांव की लाखों महिलाएं, जो रोज जंगल से लकड़ियां बीन कर लाती हैं, कुएं-पोखरों से पानी भरती हैं, वे कुदरत से बिना कुछ चाहे खुशी-खुशी स्वयंसेवकों की तरह रक्षा करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो समय-समय पर जंगलों की रक्षा के लिए सैनिकों की तरह आगे बढ़कर आई हैं। महिलाएं ही हैं, जो खेतों में जैविक खाद डालती हैं, पेड़ों को कटने से बचाती हैं, क्योंकि उन्हें पता है पेड़ नहीं होंगे तो बारिश नहीं होगी। पूरी दुनिया में अब तक जितने भी जंगल बचाने के लिए आंदोलन हुए हैं, हमेशा इन आंदोलनों में महिलाओं ने न सिर्फ बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की है बल्कि पहली कतार में वही रही हैं।

क्या कहते हैं शोध: संयुक्त राष्ट्र संघ की शोध रिपोर्ट बताती है कि जिन देशों में पर्यावरणीय नीतियों में महिलाओं की भागीदारी होती है, वहां वनों की कटाई, जल प्रदूषण और जैव विविधता पर सकारात्मक असर देखने को मिलता है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र दुनिया की सभी सरकारों से कहता है कि वो महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, वनीकरण और स्थाई खेती से जोड़ें। क्योंकि महिलाएं जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में निर्णायक रूप से भूमिका निभाती हैं। दरअसल, जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो वे न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि शैक्षिक रूप से भी निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं। देखा गया है कि महिलाएं हमेशा पर्यावरण के प्रति अनुकूल भाव रखती हैं, वे हमेशा हरित विकल्पों को तरजीह देती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो दुनिया में 90 फीसदी जल संग्रह करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो जैविक बागवानी का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। स्थानीय स्तर पर शुद्ध बीजों की सुरक्षा महिलाओं की बदौलत ही हो पा रही है।

धरती और स्त्री दोनों शोषित: शायद इसलिए भी धरती के बोझ का दुख महिलाएं ज्यादा संवेदनशीलता से समझती हैं, क्योंकि धरती की तरह ही वे भी शोषित हैं। महिलाओं को समाज में अकसर निचले स्तर के कामों तक सीमित रखा जाता है। शिक्षा से वंचित और निर्णय लेने के मामले में उन्हें बाहर रखा जाता है, इसलिए दुनिया में कई तरह की अव्यवस्थाएं हैं, कई तरह की आक्रामकताएं हैं, क्योंकि नीतिगत निर्णय के मामले में महिलाओं को पुरुषों ने जान-बूझकर पीछे रखा है। वक्त आ गया है कि अब इस अन्याय को सुधारा जाए और धरती और स्त्री दोनों को ही सम्मान मिले, दोनों को ही अपनी-अपनी संवेदनशीलता के लिए आवाज मिले, क्योंकि धरती का दुख महिलाएं ही बेहतर जानती हैं। इसलिए महिलाओं के हाथ में ही धरती की सुरक्षा का भार सौंपना अक्लमंदी है।

धरती का अंधाधुंध दोहन नहीं करतीं महिलाएं: महिलाओं के हाथों में धरती को इसलिए सुरक्षित माना गया है, क्योंकि वो अंधाधुंध दोहन के दर्शन को नहीं मानतीं, वे मिलकर जीने के सिद्धांत की समर्थक होती हैं। महिलाएं कभी भी पर्यावरण को उस तरह हृदयहीनता से नुकसान नहीं पहुंचातीं, जैसे आमतौर पर धरती को पुरुष नुकसान पहुंचाते हैं। महिलाएं शांति पसंद होती हैं, वे पर्यावरण के साथ बेरहमी से पेश नहीं आतीं, इसलिए वक्त आ गया है कि धरती के सामने जो सवालिया निशान लगा है, उस निशान को हटाने के लिए यह भूमिका महिलाओं की दी जानी चाहिए। ❁

पर्यावरण संरक्षक

महिलाएं जन्मजात पर्यावरण संरक्षक होती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो भारत के गांवों में जलस्रोतों की देखभाल करती हैं, पूरे देश में जैविक खाद तैयार करती हैं, बीजों को सहेजती हैं। जंगल, चारागाह, तालाब ऐसी विरासतें हैं, जिनकी देख-रेख आज भी महिलाओं के कंधों पर ही टिकी है, क्योंकि इनके प्रति उनका बेहद संवेदनशील रवैया है। ये महिलाओं का स्वभाव ही है, जो उन्हें पर्यावरणीय फैसलों का स्वाभाविक अगुवा बना देता है। यह सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं है, संयुक्त राष्ट्र संघ भी इस बात की तस्दीक करता है कि धरती के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशीलता अगर कोई रखता है तो वे महिलाएं हैं। साल 1973 में जब भारत में चिपको आंदोलन हुआ था तो ये महिलाएं ही थीं, जो पेड़ों से चिपक जाती थीं। लकड़हारों से कहती थीं, 'अगर पेड़ काटना है, तो पहले हमें काटो।' महिलाओं ने पेड़ों के लिए खुद को दांव पर इसलिए लगाया, क्योंकि वे जानती हैं कि पेड़ नहीं होंगे तो हवा जहरीली हो जाएगी। शायद इसीलिए दुनियाभर के पर्यावरणविद कहते हैं, 'दुनिया के पर्यावरण को सरकारें नहीं बचा सकतीं, उन्हें सिर्फ महिलाएं ही बचा सकती हैं।'

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें सिखाती हैं जीना

इस नए दौर में अधिकांश लोग हाथों में मोबाइल लिए सोशल मीडिया की दुनिया में खोए रहते हैं। किताबें पढ़ने की हमारी आदत खत्म होती जा रही है, जबकि किताबें हमारी सबसे भरोसेमंद दोस्त होती हैं, जीने की सही राह दिखाती हैं, जो जिंदगी की खुशहाली के लिए जरूरी है।

सलाह

सरस्वती रमेश

भावना बहुत अच्छी जॉब में थी, लेकिन एक एक्सीडेंट के चलते उसे अपना बायां पैर खोना पड़ा, जॉब छोड़नी पड़ गई। चलने से मजबूर भावना घर के एक कमरे में सिमट कर रह गई। पति ऑफिस चले जाते, बच्चे स्कूल। घर में बस वह अकेली बचती। उसे टीस होती कि अपने खोए पैर के कारण अब वह जीवन में कुछ नहीं कर पाएगी। धीरे-धीरे वह बहुत परेशान रहने लगी, चिड़चिड़ी हो गई। अपनी स्थिति के बारे में लगातार सोचने से वह मानसिक रूप से बीमार रहने लगी। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। तभी एक दिन भावना की सहेली ने उसे एक किताब गिफ्ट की। यह किसी दिव्यांग महिला की ऑटोबायोग्राफी थी कि उसने कैसे अपना जीवन संवारा और आत्मनिर्भर बनी। किताब को पढ़ते ही भावना के भीतर नई आशाएं जागीं। फिर क्या था, भावना ने किताबों से दोस्ती कर ली। हर हफ्ते एक नई किताब पढ़ती। इन्हें पढ़ने से उसे नई दृष्टि मिली। वह अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती। साल भर बाद उसने महसूस किया कि किताबें पढ़-पढ़ कर वह इतना कुछ जान-समझ चुकी है कि उसे अपनी विकलांगता से कोई शिकायत नहीं रही। उसने अपनी लाइफ नए सिरे से प्लान की, भविष्य की सुनहरी राह बनाई। अब वह आत्मनिर्भर है, दूसरों के लिए एक मिसाल है।

हर किसी को पढ़नी चाहिए किताब: किताबें हम सबकी सच्ची दोस्त होती हैं। क्योंकि किताबें हमारा अकेलापन छांटती हैं, जीने का सलीका सिखाती हैं। जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती हैं। मुश्किलों से उबरने की तरकीब भी बताती हैं। हमारा आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। किताबें पढ़कर हम हर तरह का ज्ञान अर्जित करते हैं, बौद्धिक रूप से समृद्ध होते हैं। किताबें महिलाओं के सशक्तीकरण की राह बनाती हैं।

पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती: कुछ लोगों को यह कहते हुए सुना जाता है कि अब हमारी पढ़ने की उम्र नहीं रही। बुढ़ापे में पढ़कर क्या होगा? ऐसे लोगों को केरल की भागीरथी अम्मा से सबक लेना चाहिए, जो अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उनको किताबें पढ़ने का जुनून था, इसलिए उन्होंने 105 साल की उम्र में चौथी क्लास की परीक्षा दी और पास हुईं। किताबें पढ़ने की अपनी इच्छा उन्होंने पूरी की। इसी तरह महाराष्ट्र के बारामती की रहने वालीं बेबी गुरव को परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण बचपन में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। सालों बाद जब उनका बेटा दसवीं में पहुंचा तो बेबी ने भी बेटे के साथ ही दसवीं की परीक्षाएं दीं और और पास भी हुईं। अब वह जमकर अपनी मनपसंद किताबें पढ़ती हैं, ज्ञान बढ़ाती हैं। ये कहानियां हमें बताती हैं कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उसके लिए सिर्फ हमें किताबों से प्रेम करना आना चाहिए।

तन्हाई की सबसे भरोसेमंद साथी: माता-पिता की जिंदगी में एक ऐसा समय आता है, जब उनके बच्चे पढ़ने या जॉब करने के लिए घर से दूर चले जाते हैं। शादी के बाद अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में अकेले रह रहे माता-पिता के लिए किताबें अच्छी दोस्त साबित होती हैं। मन को शांत, एकाग्र और स्वस्थ रखने में किताबें इनकी मदद करती हैं।

उम्र बढ़ाती हैं किताबें: किताबें हमारे दिमाग को स्वस्थ और संतुलित रखने में मददगार होती हैं। शोध बताते हैं, नियमित रूप से किताबें पढ़ने से ब्लड प्रेशर सही रहता है। चूंकि किताबें हमारा मनोरंजन करती हैं, इसलिए इनसे तनाव कम होता है। शोध तो यहां तक कहते हैं कि किताबें पढ़ने से उम्र लंबी होती है।

बदलती है समाज की सोच: किताबें पढ़कर हम उन्नत विचारों को ग्रहण करते हैं, रूढ़िगत परंपराओं से बाहर आते हैं। किताबें परिवार-समाज को विचारों से प्रगतिशील बनाती हैं। इस तरह किताबें समाज में एक अच्छा बदलाव लाती हैं। इसलिए अपना और दूसरों का भी जीवन बदलने के लिए अधिक से अधिक किताबें पढ़ें। ❁

इंटीरियर

अनु आर.

घर की दीवारों को सजाने के लिए पेंट या वॉल पेपर का चयन करना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, दोनों के अपने-अपने प्लस और माइनस प्वाइंट्स होते हैं। इसलिए अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार आप किसी का भी चुनाव कर सकती हैं।

चुनें वही जो हो पसंद वॉल पेपर या पेंट

आमतौर पर जब बात घर और ऑफिस के इंटीरियर की आती है तो लोग वॉल पेंट को प्रमुखता देते हैं। इसमें कई स्टाइल, डिजाइन, पैटर्न से घर की दीवारों को सजाने के ऑप्शंस होते हैं। हालांकि पेंट और वॉल पेपर दोनों ही घर के इंटीरियर में अलग-अलग तरह के बदलाव लाते हैं। लेकिन दोनों के ही अपने-अपने फायदे और नुकसान होते हैं। आप इनमें से किसका चयन करना चाहती हैं, यह आपकी पसंद और जरूरत पर निर्भर करता है। इन दोनों में से कौन-सा ज्यादा अच्छा होता है, इसके बारे में अलग-अलग राय हो सकती है।

वॉल पेपर की क्वालिटीज: वॉल पेपर लोगों द्वारा इसलिए कम पसंद किए जाते हैं, क्योंकि इसे एक बार लगाने के बाद इसे हटाने का प्रोसेस थोड़ा मुश्किल होता है और इसके लिए प्रोफेशनल की मदद लेनी पड़ती है। उसकी तुलना में पेंट करवाना लोगों को ज्यादा सरल लगता है। वॉल पेपर किसी भी कमरे के एस्थेटिक्स में एक नया बदलाव ले आते हैं। जबकि पेंट में उतनी वैरायटी उपलब्ध नहीं होती। हालांकि वॉल पेपर्स हर घर के लिए उपयुक्त साबित नहीं होते। जिन घरों में बच्चे छोटे होते हैं और जहां पेट्स होते हैं, वहां वॉल पेपर जल्द खराब होने का डर रहता है। इसके अलावा जिन घरों की दीवारों में सीलन ज्यादा होती है, सीलन के कारण वॉल पेपर की शेप खराब हो जाती है और ये फूल जाती हैं। हालांकि वॉल पेपर की खूबी है कि इन पर अगर दाग या धब्बे लग जाते हैं तो उन्हें आसानी से रिमूव किया जा सकता है। अगर वॉल पेपर डैमेज हो जाते हैं तो इन्हें दोबारा फिक्स करवाया जा सकता है। हालांकि एक बार अगर वॉल पेपर घर की दीवारों पर लगा दिया जाता है और उसकी केयर की जाए तो यह कम से कम दस साल तक सही रहता है। वॉल पेपर में दीवारों के स्क्रेच या खुरदरेपन को छुपाया जा सकता है, जबकि पेंट में यह संभव नहीं होता। घर अगर बड़ा है और बड़ी दीवारों के लिए वॉल पेपर का इस्तेमाल किया जाता है तो इनमें आने वाले ज्वाइंट्स

को अच्छी तरह से बनाना चाहिए। इनमें आने वाले क्रेक्स को भी ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

वॉल पेंट की खासियत: वॉल पेपर और पेंट की तुलना करने पर हम पाते हैं कि पेंटिंग में काफी समय लगता है, कई मजदूरों की जरूरत पड़ती है। बाद में घर की साफ-सफाई भी अच्छे से करनी पड़ती है। वॉल पेंट सीलन भरी दीवारों पर जल्दी खराब तो होता ही है, बच्चे या पेट्स इन पर दाग-धब्बे लगा देते हैं और थोड़े समय बाद दीवारों पर पेंट पुराने लगने लगते हैं। अगर उस जगह तेज धूप आती हो तो पेंट और भी जल्दी खराब हो सकता है। हालांकि इसके बावजूद वॉल पेंटिंग को अधिकांश लोगों द्वारा पसंद किया जाता है और इसे अधिक टिकाऊ माना जाता है।

वॉल पेपर का बजट: वॉल पेपर को लगाने के लिए किसी प्रोफेशनल की जरूरत होती है, जबकि पेंट करने का काम आप फैमिली मेंबर्स के साथ मिलकर स्वयं भी कर सकती हैं। पेंट जगह-जगह से उखड़ जाता है तो इसकी आप खुद रिपेयरिंग भी कर सकती हैं। जबकि वॉल पेपर पर खर्च ज्यादा आ सकता है।

उपलब्ध हैं कई वैरायटीज: वॉल पेंट हो या वॉल पेपर, दोनों में ही कई तरह के प्रयोग किए जा सकते हैं। वॉल पेपर में तो बहुत सारे डिजाइन और वैरायटीज आपको मिल जाएंगी, जो घर के इंटीरियर में पूरी तरह बदलाव ला देती हैं। वॉल पेपर के डिजाइन घर को ज्यादा स्पेशियस दिखाते हैं। उनको कस्टमाइज्ड कराया जा सकता है और इन्हें ऑर्डर पर भी लाया जा सकता है। ❁

केयर

सरिता गुप्ता

इस मौसम में ऐसे करें स्किन केयर

गर्मी के मौसम में स्किन का बहुत ध्यान रखना पड़ता है, नहीं तो तेज धूप की वजह से स्किन पर रैशेज, टैन, सनबर्न और एक्ने जैसी बहुत-सी प्रॉब्लम हो सकती हैं। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए हम आपको ऐसे स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं।

फेस वॉश करें: आप जब भी बाहर से घर लौटकर आएं तो सबसे पहले फेस वॉश जरूर करें। इससे आपके चेहरे पर जमा पसीना, धूल, प्रदूषण आदि सब साफ हो जाएगा। ऐसा करने से आप फ्रेश भी फील करेंगी। इसके साथ ही हफ्ते में एक बार स्क्रब भी कर सकती हैं।

सनस्क्रीन: वैसे तो सनस्क्रीन का यूज हर मौसम में करना चाहिए, लेकिन गर्मियों में तो घर से बाहर जाते समय एसपीएफ 30 वाली सनस्क्रीन का यूज जरूर करना चाहिए। यदि ज्यादा देर तक धूप में रहना हो, तो एसपीएफ 50 का यूज करें क्योंकि सूरज से निकलने वाली खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणें, हमारी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सनस्क्रीन हमारी त्वचा को धूप के सीधे संपर्क में आने से भी बचाती है।

एक्सफोलिएट: स्किन को हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएट जरूर करना चाहिए। इससे फेस बिल्कुल साफ नजर आता है। इसके लिए ऐसे स्क्रब का चयन करें, जो फेस की सूजन को कम करें और डीप क्लीन करे। यह स्किन के टेक्सचर को सुधारने के साथ-साथ झुर्रियों को भी दूर रखता है।

नाइट केयर: रात को सोते समय हमारी स्किन रिपेयरिंग का काम करती है। इसलिए रात को जब नाइट क्रीम का यूज करते हैं तो इससे स्किन रिंकल फ्री और ग्लो करने लगती है। इसके लिए आप ऐलोवेरा जैल का भी यूज कर सकती हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स: जहां तक संभव हो स्किन केयर के लिए हमेशा बिना केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का यूज करना चाहिए। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से स्किन पर एक्ने और रिंकल जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनकी जगह नेचुरल प्रोडक्ट्स यूज करें।

होम रेमेडीज: स्किन को हाइड्रेट करने और फ्रेशनेस बनाए रखने के लिए आप होममेड फेसपैक जैसे मुल्तानी मिट्टी, चंदन पावडर और गुलाब जल से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इनसे स्किन को कूलिंग इफेक्ट और फ्रेशनेस बनाए रखने में मदद मिलती है।

मॉयश्चराइजर: गर्मियों में अकसर लोग स्किन को मॉयश्चराइज करना अवॉयड करते हैं, जबकि यह स्किन केयर का जरूरी स्टेप होता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार गर्मी में लाइट या वॉटर बेस्ड मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे स्किन ऑयली और डल न लगे। ❁ **(ब्यूटी एक्सपर्ट सीमा शर्मा से बातचीत पर आधारित)**

डाइट सजेशन

मुक्ता भावसार

गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। इससे आप एनर्जेटिक फील करेंगी। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी डाइट के बारे में, जो आपको रखेंगे हाइड्रेटेड।

गर्मी के मौसम में ऐसे रखें खुद को एनर्जेटिक-हाइड्रेटेड

गर्मी का मौसम अपने साथ लू, थकान और शरीर में पानी की कमी जैसी कई समस्याएं लेकर आता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे शरीर से पसीने के रूप में पानी और जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में अगर शरीर को समय-समय पर हाइड्रेट न किया जाए, तो चक्कर आना, थकावट और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। गर्मियों में सही खान-पान और पर्याप्त पानी पीना न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि ऊर्जावान भी बनाए रखता है। गर्मियों में थोड़ी-सी सावधानी और कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप न सिर्फ खुद को हाइड्रेटेड रख सकती हैं, बल्कि लू और थकान जैसी समस्याओं से भी बच सकती हैं।

पर्याप्त पानी पिएं: गर्मी में रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना जरूरी है। अगर पसीना ज्यादा आता है, तो मात्रा और बढ़ा दें। ठंडा पानी नहीं, बल्कि सामान्य तापमान या हल्का ठंडा पानी पीना ज्यादा फायदेमंद होता है। अगर सादा पानी पीने का मन न हो, तो उसमें नीबू, पुदीना, खीरा या तुलसी डालकर फ्लेवर्ड वाटर बनाएं। घर से निकलते समय एक गिलास पानी जरूर पीएं

और पानी की बोतल साथ रखें।

हाइड्रेटिंग फ्रूट्स: तरबूज, खीरा, संतरा, अंगूर जैसे फलों में पानी भरपूर होता है। लौकी, तोरई जैसी सब्जियां और नारियल पानी शरीर को ठंडक और इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करते हैं। गर्मी के मौसम में इनका भरपूर सेवन करें। इसके साथ ही, नीबू पानी, लस्सी, बेल शरबत, आम का पना, जलजीरा और सौंफ-गुलकंद का पानी शरीर को ठंडा और पाचन को दुरुस्त रखते हैं। लस्सी, छाछ,

पुदीना-तुलसी ड्रिंक, सत्तू का शरबत, पान-गुलाब शरबत जैसे पेय शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ एनर्जी भी देते हैं। गर्मी के मौसम में कोल्ड ड्रिंक्स और कैफीन का सेवन करने से बचें।

मसालेदार खाने से करें परहेज: अपने भोजन में सलाद, दही, ताजे फल, दालें और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें। तले-भुने और मसालेदार खाने से परहेज करें। जंक और स्ट्रीट फूड का सेवन ना करें, क्योंकि यह पेट में गर्मी और एसिडिटी बढ़ा सकता है। बेहतर पाचन और शरीर में पानी की संतुलित मात्रा बनाए रखने के लिए हल्का, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन ही लें। ❁

(आहार विशेषज्ञ पूनम विशाल ज्वेल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

खंड के मुखियाओं को किया जागरूक

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के वीर शहीद कपिल देव जी राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय क्लास रिडींगनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें खंड के अंतर्गत आने वाले सभी प्राइमरी मुखिया/इंचार्ज, बीआरपी, एबीआरसी ने भाग लिया। कार्यक्रम विद्यालय प्राचार्या संतोष भाकर के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

गर्मी एवं लू से बचाव को लेकर सावधानी भरतें

भिवानी। डीसी महावीर कौशिक ने हीट-वेव यानि लू अथवा अत्यधिक गर्मी से बचाव को लेकर सभी प्रमुख विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे सरकार के निर्देशानुसार लोगों को जागरूक करें ताकि नागरिक अत्यधिक गर्मी के प्रकोप से अपना बचाव कर सकें। डीसी कौशिक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि दिन प्रतिदिन गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। आपदा एवं प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग, बिजली, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और पशुपालन विभाग आदि विभागों द्वारा एडवाइजरी भी जारी की जा चुकी है।

पानी की शिकायतों का शीघ्र समाधान करें: नगराधीश

भिवानी। नगराधीश अनिल कुमार ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने गर्मी के मौसम के चलते अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बिजली और पेयजल से संबंधित शिकायतों को शीघ्र समाधान करें। नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। समाधान शिविर में लगभग 25 लोगों ने नगराधीश के समक्ष अपनी शिकायतें रखी।

रिवाड़ीखेड़ा में टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

भिवानी। रणजी खिलाड़ी स्वर्गीय अमित वशिष्ठ की याद में अमित वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा गांव रेवाड़ीखेड़ा स्थित ठाकुर आजाद सिंह स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में 15 दिवसीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार देर सांय फाइनल मुकाबला हुआ। फाइनल मुकाबला बहू अकबरपुर और पालुवास की टीम के बीच हुआ, जिसमें बहु अकबरपुर की टीम ने पालुवास को हराकर 71 हजार रुपये और ट्रॉफी पर कब्जा किया। फाइनल मुकाबले में बतौर मुख्यतिथि बवानीखेड़ा नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री, अनीश जैन, दीपक रिवाड़ी, नरेंद्र तिगड़ाना, बिट्टू, राजकुमार सरपंच खरक व सुरेश ने शिरकत की तथा विजेता टीम को सम्मानित किया।

11 युवाओं ने रक्तदान कर बचाई मरीज की जान

भिवानी। रक्तदान किसी के लिए भी बेहद सामान्य बात हो सकती है, लेकिन जरूरतमंद के लिए ये जिंदगी और मौत का सवाल होता है। रक्त की जरूरत कभी भी किसी को भी पड़ सकती है। लिहाजा हर किसी को इसकी अहमियत समझनी चाहिए, हर किसी का रक्तदान किसी न किसी को नई जिंदगी देता है। सोमवार को भिवानी में तीन निजी अस्पतालों व दादरी के एक निजी अस्पताल में ऐबी पॉजिटिव, बी नेगेटिव व ऐ पॉजिटिव फ्रेश ब्लड की जरूरत हुई तो सक्रिय रक्तदाताओं ने पूर्ति की।

बच्चों ने पत्तों से बनाएं जानवरों-पक्षियों के चित्र

चरखी दादरी। कक्षा तत्परता कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक पाठशाला कारीदास के बच्चों ने आज पेड़ के पत्तों की सहायता से विभिन्न जानवरों व पक्षियों के चित्र बनवाएं। इंचार्ज अनिल कुमार व मास्टर रविंद्र कुमार की अगुवाई में बच्चों ने अपनी प्रतिभा को पेड़ों की पत्तियों के माध्यम से कागजों पर उकेरा। इस दौरान उनके द्वारा बनाई तितली, मोर, कीडा, मछली, चूहा, शतरमुर्ग व अन्य कलाकृतियों की स्टाफ ने मुक्त कंठ से सराहना की। अध्यापक सुंदरपाल फौगाट ने नन्हे मुन्नों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि बच्चों के अंतर में प्रतिभा छुपी होती है।

योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी देता है

6 से 8 कक्षा वर्ग में शंकर व ममता 9 से 10 में कार्तिक व योगिता प्रथम

भिवानी। जिला स्तरीय योग ओलंपियाड़ प्रतियोगिता भाग लेते विद्यार्थी।

भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

सेठ किरोड़ीमल मॉडल संस्कृति स्कूल में जिला स्तरीय योग ओलंपियाड़ प्रतियोगिता आयोजित 100 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

डाइट भिवानी द्वारा डाइट इंचार्ज मोनिका कौशिक की अध्यक्षता में सेठ किरोड़ीमल राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय में जिला स्तरीय योग ओलंपियाड़ प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। एबीआरसी प्रवीण व भारत यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में भिवानी जिले के सभी सात ब्लॉक से करीबन 100 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सभी ब्लॉकों के सरकारी व निजी स्कूलों से कक्षा 6 से 8 तथा 9 से 10वीं तक के लड़के व लड़कियों ने कक्षा वर्ग के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लिया। इस मौके पर बतौर मुख्यतिथि महंत राजनाथ महाराज ने शिरकत की तथा प्रतियोगिता के कन्वीनर सुनील शर्मा रहे।

पीटीआई मोतीलाल जांगड़ा रिंकू, सुरेंद्र सिंह डीपीई, सुनीता, सरिता, सुखदेव, रणबीर सिंह, विद्या देवी, सतेंद्र ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। इसके अलावा संजीव कुमार, प्रवीण, आशीष कुमार ने मैनेजमेंट व रजिस्ट्रेशन का कार्य संभाला। जिला स्तरीय योग ओलंपियाड़ प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 10 के लड़कों के वर्ग में कार्तिक, गौरव, दीपांशु, रामभगत क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर रहे। वहीं लड़कियों के वर्ग में योगिता, इशिका, जाह्नवी व प्रिया क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर रहे। वहीं 6 से 8 कक्षा वर्ग की लड़कियों की प्रतियोगिता में ममता, मानसी, समृद्धि, त्रिश कोठारी क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर रहे। वहीं लड़कों के वर्ग में शंकर, आरूष, ध्रुव, प्रवीण, कश्यप क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे व चौथे स्थान पर रहे। मुख्यतिथि महंत राजनाथ महाराज ने कहा कि योग विद्यार्थियों को शारीरिक स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक तौर पर भी मजबूत बनाता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

प्रतियोगिताओं से बढ़ता है आकर्षण

डाइट इंचार्ज मोनिका कौशिक ने कहा कि योग हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है तथा शारीरिक स्वस्थ्य, मानसिक सतर्कता एवं भावनात्मक संतुलन के लिए योग जरूरी है। उन्होंने कहा कि योग से प्रारंभ से ही अच्छी आदतें, बेहतर स्वास्थ्य, अनुशासन व नैतिकता के बीज विद्यार्थियों में रोपित किए जा सकते हैं। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अन्य बच्चों को भी योग के प्रति आकर्षित करती है। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के डीपीई, पीटीआई, अभिभावक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

भिवानी। प्रतियोगिता में विजेता टीम के साथ खेल प्रशिक्षक। फोटो: हरिभूमि

बीडीएसए अकादमी और कुंगड़ अकादमी चैंपियन

- दो दिवसीय सेपक टकरा व योगा स्पोर्ट्स मीट का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

देवनगर स्थित गुरुकुल विद्यापीठ स्कूल में सेपक टकरा संघ भिवानी व बीकानेर डिवीजन रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन भिवानी के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय सेपक टकरा व योगा स्पोर्ट्स मीट का सोमवार को समापन हो गया। जिसमें रेलवे अकादमी भिवानी टीम ओवर ऑल चैंपियन बनी। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ व जिला पार्षद व भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राहुल मुंढाल ने विजेताओं को पदक पहनाकर सम्मानित किया, वहीं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सुशील कुमार उप मुख्य अभियंता निर्माण उत्तर पश्चिम रेलवे भिवानी, सूरत सिंह कोच बिजली विभाग, समाजसेवी नविता तंवर, समाजसेवी युवा नेता मोक्ष कक्कड़, गरुकुल विद्यापीठ स्कूल संचालक मंजू श्योराण, शकुंतला प्रधान, रोहतास चौहान आदि ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेपक टकरा संघ के प्रधान भानु प्रकाश शर्मा व गुरुकुल स्कूल संचालक जितेंद्र गोयत ने संयुक्त रूप से की। इस मौके पर जिला सेपक टकरा संघ भिवानी के महासचिव व बीडीएसए रेलवे स्पोर्ट्स अकादमी भिवानी के चीफ कोच सतबीर सिंह देहरान ने बताया कि गुरुकुल विद्यापीठ स्कूल में चल रही दो दिवसीय बीडीएसए स्पोर्ट्स मीट का रंगा रंग समापन किया गया।

ये रहे परिणाम

सेपक टकरा खेल में रेलवे अकादमी भिवानी प्रथम स्थान पर रही, कितलाना दूसरे स्थान पर व बापोड़ा स्पोर्ट्स क्लब तीसरे स्थान पर रहा। योगा में कुंगड़ योगा अकादमी प्रथम स्थान, दूसरा स्थान कुंगड़ योगा सेंटर व हलवासिया स्कूल भिवानी और जय भवानी शाखा कलिंगा संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। योगा में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब से सोनू कुंगड़, सेपक टकरा में लड़कों में धैर्य देहरान वहीं लड़कियों में कनिका को ओर सर्वश्रेष्ठ रैफरी के लिए शुभम सैन को नवाजा गया।

बैठक में दीक्षांत समारोह को लेकर मंथन

- कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने गठित समितियों से प्रोग्रेस रिपोर्ट ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी के दिशा निर्देशन में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह एक मई को विश्वविद्यालय के प्रेमनगर स्थित नए परिसर में आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इस दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया हुआ है। कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी ने आज विश्वविद्यालय के सभा कक्ष में चतुर्थ दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए गठित समितियों के सभी कोऑर्डिनेटरों व सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने गठित सभी समितियों के कार्यों की रिपोर्ट ली और तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक कर दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने गठित समितियों से प्रोग्रेस रिपोर्ट ली। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ भावना शर्मा,डीन प्रो संजीव कुमार,डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो डीके मदान, डीन कॉलेज प्रो एस के कौशिक,डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सुरेश मलिक,प्रो सुनीता भरतवाल,प्रो नितिन बंसल,प्रो मयंक किंगर ,परीक्षा नियंत्रक डॉ पवन गुप्ता, सलाहकार डॉ महावीर धनखड़, डॉ रविप्रका,डॉ स्नेहलता, डॉ पवन कादियान,डॉ ऋषिपाल,डॉ पार्वती शर्मा,डॉ नीति चावला, अभियांत्रिकी सलाहकार केके शर्मा आदि मौजूद रहे।

अब नहीं झेलनी पड़ेगी पेयजल समस्या

- क्षेत्रवासियों की मांग पर जनस्वास्थ्य विभाग ने दादरी गेट पर लगाया वॉल: भगवानदास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

कोंट रोड व ढ़ाणा रोड क्षेत्र में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या का अब समाधान होने की उम्मीद जगी है, क्योंकि जनस्वास्थ्य विभाग ने इन क्षेत्रों में पेयजल सप्लाई के लिए वॉल का स्थान पुनः बदल दिया हैं।

इसके पहले विभाग के अधिकारियों ने वॉल को अन्य स्थान पर लगा दिया था, जिसके चलते क्षेत्र में पेयजल संकट गहराया था और लोगों को पेयजल सप्लाई संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। अब विभाग के अधिकारियों ने वॉल को पुराने स्थान दादरी गेट पर ही लगा दिया है, जिससे कोंट रोड व ढ़ाणा रोड निवासियों की पेयजल सप्लाई की समस्या का समाधान होगा। जानकारी देते हुए भाजपा मजदूर प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक भगवानदास कालिया ने बताया कि कोंट रोड व ढ़ाणा रोड की पेयजल सप्लाई के लिए पहले दादरी गेट चौक पर वॉल लगा हुआ था, लेकिन कुछ माह पहले ये वॉल ढ़ाणा रोड पर गली नंबर-1 के सामने लगा दिया था, जिसकारण ढ़ाणा रोड व कोंट रोड पर पेयजल समस्या बन गई।

अब पुनः वॉल बदला

कालिया ने बताया कि पूर्व में वॉल बदले जाने से हालुवास गेट, हनुमान ढ़ाणी, हनुमान गेट, पीपलीवाली जोहड़ी, दादरी गेट, रामगंज महोल्ला, हालु बाजार आदि क्षेत्रों की पेयजल सप्लाई की समस्या बनी हुई थी, जिसका समाधान अब पुनः वॉल बदलने से हुआ है। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन, एसडीओ, जेई, लाईनमैन सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों का आभार जताया। भगवानदास कालिया ने कहा कि विभाग से मांग की कि हालुवास गेट से दादरी गेट तक पेयजल सप्लाई के लिए कोई वॉल नहीं है, जिसके चलते एक क्षेत्र की भी लाइन खराब होने से पूरी लाइन की सप्लाई को बंद किया जाता है, जिससे अनेक क्षेत्रों में पेयजल सप्लाई बाधित होती है, इसलिए हालुवास गेट से दादरी गेट तक मुख्य लाइन पर दो से तीन अतिरिक्त वॉल लगाए जाएं।

रतिया की टीम ने 5 ओवर में जीता मैच

- तीसरे दिन भी जार रही आईसीएस कोचिंग अकेडमी की सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। जीत के बाद जश्न मनाते खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आईसीएस कोचिंग द्वारा भिवानी-हांसी रोड़ पर स्थित जी लिट्रा वैली खेल मैदान में आयोजित करवाए जा रही सात दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन भी बडे ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दौरान 10 टीमों के बीच मैच हुए, जिसमें सबसे रोमांचक मुकाबला सिरसा व रतिया की टीम के बीच हुआ। यह जानकारी देते हुए आईसीएस तोशाम के निदेशक मनजीत सिंह ने बताया कि रतिया की टीम ने टॉस जीतते हुए पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया तथा प्रतिद्वंदी टीम को 42 रनों का लक्ष्य दिया। जिस लक्ष्य का पीछा करते हुए रतिया की टीम ने मात्र 5 ओवर में ही मैच अपने नाम कर लिया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 54 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

नशे से दूर रहें युवा

आईसीएस के निदेशक परिमल ने कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशा जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखते हुए खेल भावना से जोडना है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास किया जा सकें। उन्होंने कहा कि क्रिकेट खेल प्रतियोगिताओं का समाज, व्यक्ति और देश के विकास में विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं खिलाडियों में अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट प्रतियोगिताएं युवा खिलाडियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देती हैं तथा नियमित अभ्यास और प्रतिस्पर्धा से युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। इस अवसर पर आईसीएस के सभी ब्रांचों के निदेशक सहित अन्य खेलप्रेमी मौजूद रहे।

एडीसी को किया सम्मानित

- प्रशासनिक अधिकारी सरकार एवं आम जनता के बीच सेतु का करते हैं कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त को सम्मानित करते हुए।

स्माइल फ़ाउण्डेशन सोसायटी हरियाणा की भिवानी ईकाई द्वारा सिविल सर्विस-डे के अवसर पर कुशल प्रशासनिक सेवाओं के लिए भिवानी के अतिरिक्त उपायुक्त मुनीश नागपाल को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में स्माइल फ़ाउण्डेशन सोसायटी हरियाणा की भिवानी ईकाई की संयोजक शिक्षाविद् डॉ प्रोमिला सुहाग,सदस्यगण डॉ अनिल तंवर, डॉ इंदु एवं अमित राठौड़ ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर अतिरिक्त उपायुक्त को सम्मानित किया। अपने संबोधन में स्माइल फ़ाउण्डेशन सोसायटी हरियाणा की भिवानी ईकाई की संयोजक शिक्षाविद् डॉ प्रोमिला सुहाग ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी सरकार एवं आम जनता के बीच एक सेतु का कार्य करते है। वह सरकारी सेवाओं की जनता तक पहुंच आसान बनाने में निरन्तर जुटे रहते है। इनका जितना सम्मान किया जाए वह कम है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के ब्यूरोक्रेट्स ने कई ऐसे काम किए हैं जो देश में नजीर बन गए।

ईसीएचएस स्टाफ के खिलाफ पूर्व सैनिकों का विरोध प्रदर्शन

लोहारू। लोहारू खंड और आसपास के इलाके के अनेक पूर्व सैनिकों ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक स्टाफ पर विभिन्न आरोप लगाए हैं। इसको लेकर सोमवार को स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री पार्क में सोमवार को पूर्व सैनिक धर्मपाल बारवास और राजेश श्योराण की अध्यक्षता में बैठक भी आयोजित हुई और विरोध प्रदर्शन किया गया। पूर्व सैनिकों ने आरोप लगाया कि ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक लोहारू में कार्यरत स्टाफ अपने पद का दुरूपयोग कर रहें हैं तथा मरीजों को सांठगांठ करके भिवानी में अस्पतालों में मरीजों को रेफर किया जा रहा है। यहीं नही उन्होंने स्टाफ के व्यवस्था को भी अनुचित ठहराया है। पूर्व सैनिकों ने कहा कि यदि वर्ष 2024 से अब तक के भिवानी रेफर किए गए।

स्वर्गीय इंद्र सैनी की जयंती मनाई

नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने लगाई त्रिवेणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी व भाजपा नेता रमेश सैनी के पिता रेलवे सुरक्षा विशेष बल से सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर स्वर्गीय इंद्र सैनी की 13वीं पर श्रद्धांजलि का प्रेरणादायक रूप देखने को मिला। संस्था ने देवसर रोड मंदिर में त्रिवेणी (पीपल, नीम और बरगद) का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर मुख्यतिथि अनुसूचित जाति आयोग हरियाणा के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बड़जुज्जर ने कहा कि संस्था सामाजिक सेवा की दिशा में लगातार सराहनीय कार्य कर रही है। पर्यावरण, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे विषयों पर संस्था की सक्रियता समाज को नई दिशा देने वाली है। इस अवसर पर धयान गुरु अनिल राज, एसोसिएट प्रोफेसर अश्विनी संभ्रवाल, ज्योतिषाचार्य सुरेश कुमार, पार्षद विनोद प्रजापति, पर्यावरण रक्षक हवलदार लोकराम नेहरा, शंकर नर्सरी के संचालक चंद्रमोहन आदि मौजूद रहे।

भिवानी। इंद्र सैनी की याद में त्रिवेणी रोपित करते नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

शुभ अवसरों पर पौधे जरूर लगाएं

उन्होंने कहा कि लोगों को फिजूलखर्ची से हटकर पूर्वजों की याद में पौधें लगाना और बच्चों के जन्मदिन जैसे शुभ अवसरों पर पौधरोपण करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। त्रिवेणी का रोपण न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। पूर्वजों की स्मृति में त्रिवेणी का रोपण करना ऐसा कार्य है, जो परंपरा और प्रकृति दोनों को जोड़ता है। हम अपने पूर्वजों को केवल याद ही न करें बल्कि उनके नाम से हरियाली भी छोड़ें, यही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने आगे कहा कि पीपल, नीम और बरगद न केवल भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं बल्कि ये पृथ्वी के फेफड़े हैं, जब हम पौधें लगाएं, जीवन बचाएं कहते हैं तो उसका तात्पर्य केवल हरियाली तक सीमित नहीं होता बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य, भविष्य और संतुलित पर्यावरण का प्रतीक है।

खबर संक्षेप

विधायक ने चिकित्सकों की जमकर की सराहना

बवानीखेड़ा। भिवानी में प्रदेश के शिशु रोग चिकित्सकों की एक दिन की कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों ने पहुंचकर कार्यक्रम को चार चांद लगा दिए। डॉ. राज महता, सचिव आईएपी, हरियाणा ने बताया कि सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक जीडी गोयंका स्कूल के ऑडिटोरियम में चलने वाले इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शिशु रोग चिकित्सकों का इस क्षेत्र में होने वाले आधुनिक विकास के बारे में ज्ञानवर्धन करना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने शिरकत की। विधायक घनघनश्याम सर्राफ ने बताया कि शिशु रोग चिकित्सकों की भरपूर सेवाओं से बच्चों को काफी लाभ मिल रहा है।

चौ.बंसीलाल राजकीय कॉलेज में हुआ सेमिनार

लोहारू। चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय इतिहास विभाग में एम.ए. इतिहास उत्तरार्ध वर्ष का सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें एम.ए. इतिहास चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों पर सेमिनार पेपर प्रस्तुत किए गए। इनमें सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज का भारतीय स्वतंत्रता में योगदान,1857 ई. की क्रांति, भगत सिंह और भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक विश्व शक्ति के रूप में उदय, ज्योतिबा फुले और सत्यशोधक समाज, भारतीय हरित क्रांति, हेरोडोट्स इतिहास का जनक, विश्व को यूनानी सभ्यता की देन तथा रूसो आदि मुख्य विषय शामिल रहे।

शिविरों में समस्याओं का हो रहा समाधानः एसडीएम

तोशाम। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि सरकार की समाधान शिविर जन शिकायत निवारण की सुव्यवस्थित प्रक्रिया है। जहां लोगों की साधारण प्रणाली से ही जन समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समय पर त्वरित समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह के कुशल नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

अधिकारी शिकायतों का शीघ्र करें निपटारा

चरखी दादरी। समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से यथाशीघ्र निपटारा करें। समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों को विभागों की कल्याणकारी योजनाओं का पात्रता अनुसार लाभ दिया जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के अनुसार जिले में प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबर 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को सीटीएम जितेन्द्र कुमार ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित शिकायतों की सुनवाई की और कहा कि सभी अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली हर शिकायत का नियमानुसार निदान यह सुनिश्चित करें।

युवाओं को दी नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी

भिवानी। भारतीय जनवादी नौजवान सभा (डीवाईएफआई) ने भिवानी जिले के लोहानी और आसलवास गांवों में नशा विरोधी जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के अंतर्गत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और उन्हें समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने को प्रेरित किया।

श्रीराम पब्लिक स्कूल में मनाया पृथ्वी दिवस

चरखी दादरी। कान्हड़ा गांव स्थित श्रीराम पब्लिक स्कूल में सोमवार को पृथ्वी दिवस पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें एनसीसी कैडेट के साथ-साथ आठवीं व नौवीं कक्षा के बच्चों ने भाग लिया। कक्षा नौवीं की छात्रा रितिका प्रथम, लक्ष्या द्वितीय व कक्षा आठवीं की समीक्षा तृतीय स्थान पर रहे। गतिविधि का संचालन गतिविधि प्रभारी नीलम जाखड़ की देखरेख में संपन्न हुआ।

अखिल भारतीय किसान सभा ने दिया धरना

किसान सभा में अमेरिकी उप-राष्ट्रपति की यात्रा से आक्रोश, विरोध में पुतला फूंका

कार्यकम की अध्यक्षता रूपगढ़ धरने के प्रधान मनीष यादव व किसान सभा के जिला प्रधान ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी और रूपगढ़ धरना स्थल किसानों ने संयुक्त रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डीडी वैन्स की यात्रा का विरोध किया है और भारत के हितों की अनदेखी पर विरोध स्वरूप उनका पुतला फूंका है । कार्यक्रम की अध्यक्षता रूपगढ़ धरने के प्रधान मनीष यादव व किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संयुक्त किसान मोर्चा नेता व किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति हमारे देश के साथ व्यापार सम्बन्धी द्विपक्षीय समझौता करने आए हैं , इससे पहले हमारे देश के प्रधानमन्त्री नरेद्र मोदी अमेरिका गये थे और उन्होंने वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की थी । उन बातों से यह निकल कर आया कि अमेरिका हमें हथियार बेचना चाहता है तथा ईरान व रूप से पेट्रोलियम पदार्थो का आयात बंद करवा कर , जो हमें सस्ता मिलता है, अपना महंगा तेल व गैस हमें बेचना चाहता है और हमारे देश के निर्यात पर उच्च टैरिफ लगाना चाहता है तथा हमारे देश के आयात पर टैरिफ खत्म करवाना चाहता है , हमारे देश के आयात पर टैरिफ खत्म हो जाएंगे तो हमारा किसान , खेती व उद्योग व्यापार बर्बाद हो जाएंगे । इसलिए हमारी सरकार से मांग है कि हमारे देश की सम्प्रभुता तथा आत्म निर्भरता पर कोई समझोता ना किया जाए। इसलिए अमेरिकी साम्राज्यवाद की दादागिरी और मनमानी के खिलाफ विरोध स्वरूप उपराष्ट्रपति का स्वागत करने की बजाए विरोध स्वरूप उसका पुतला फूंककर विरोध किया है।

भिवानी। अमेरिका उपराष्ट्रपति का पुतला दहन करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

आज के कार्यक्रम में किसान सभा के प्रताप सिंह सिंहमार , महाबीर फोजी , रूपगढ़ से सतीष कुमार , मनीष यादव , सरपंच रवि कुमार , भगत राज , कैप्टन राजबीर , सुबेदार रोहताश , शेरसिंह , प्रमोद नम्बरदार , दिनेश यादव , फूलसिंह , सदाराम , कमलदीप , जयपाल कोंट व सन्दीप सैय सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे।

बवानीखेड़ा। शहीद गुलाब सिंह पार्क में अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी बवानी खेडा ने इकट्ठे होते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

किसान सभा के सदस्यों ने अमेरिकी उप-राष्ट्रपति व पीएम के फूंके पुतले

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा शहीद गुलाब सिंह पार्क में अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी बवानी खेडा ने इकट्ठे हुए ओर अमेरिकन उप-राष्ट्रपति व प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के पुतले जलाए। गौरतलब है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत आ रहे है। दो तीन समझौतो पर हस्ताक्षर करने जिसमे मुख्य रूप से कृषि व्यापार, डेयरी उद्योग, मुर्गी पालन, मे अमेरिकन सामान को भारत मे बिना रोक बेचने के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाकर उस पर हस्ताक्षर करवा कर भारतीय किसान को बर्बाद करने व खेती को उजाड़ने को मजबूर किया जा रहा है। अखिल भारतीय किसान सभा व संयुक्त किसान मोर्चा इसका विरोध कर्ता है और आज पुरे देश मे विरोध किया जा रहा है। आज के कार्यक्रम मे निम्न साथी शामिल हुए। तहसील प्रधान रामअवतार भाकर, तहसील सचिव वेदप्रकाश खेडी,तहसील कोषाध्यक्ष राजेश कूगड, मास्टर हनुमान रोहीला, हरफूल सिंह कदावला,सतबीर कामरेड, कामरेड रमेश चन्द्र, रत्न सिंह, अनूप शर्मा आदि शामिल हुए जारीकर्ता राजेश कूगड कोषाध्यक्ष तहसील कमेटी बवानी खेडा ने बताया कि ये सब किसानहित में नहीं हो रहा।

तोशाम। अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता और असमान समझौते का विरोध जताते हुए।

प्रधानमंत्री व कृषि मंत्री चौहान के पुतले जलाए

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

सोमवार को अखिल भारतीय किसान सभा ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता और सभी असमान समझौतो का विरोध जताया। इस दौरान मैंने कहा कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस आज नई दिल्ली आ रहे हैं, इसके विरोध में अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा व सयुंक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर तोशाम तहसील के गांव मिरान, बिडोला, मंढाण, रोढा, पटौदी, संडवा व पिंजोखरा आदि गांवों में जनसभाएं की तथा उपराष्ट्रपति जेडी बेंस, भारत के प्रधानमंत्री व कृषि मंत्री शिवराज चौहान के पुतले जलाए ।

इन सभाओं को संबोधित करते हुए जिला सचिव मास्टर जगरोशन, तहसील प्रधान करण सिंह जैनावास व सचिव रणधीर सांगवान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हुक्म के आगे घुटने टेक दिए हैं और कृषि उत्पादों सहित अमेरिकी उत्पादन के लिए टैरिफ और गैर टैरिफ बाधाओं को कम करने की योजना आगे बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक ने कहा की भारत को अपना कृषि बाजार खोलना चाहिए।

न्यायिक जांच की मांग

उनका कहना था कि अखिल भारतीय किसान सभा अपने अन्य मुद्दों के लिए लगातार संघर्षरत है। कपास फसल 2023 का बीमा क्लेम जिसमें 300 करोड़ से ज्यादा का घोटाला किया गया है उसकी न्यायिक जांच करवा कर किसानों को बीमा क्लेम दिलाया जाए तथा दोषियों को सलाखों के पीछे बैठाया जाए , पिछले 7-8 दिनों में बिजली की चिंगारी गिरने से सैकड़ो एकड़ जमीन का गेहूं जलकर राख हो गया है, उन पीड़ित किसानों को 50000 प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाए पिछले बकाया राशि का भी भुगतान किया जाये । बकाया ट्यूबल कनेक्शन शीघ्र जारी किए जाएं ताकि किसान अपनी फसल की बुवाई समय पर कर सके। वॉटर टैंकों व जलाशयों में पीने के पानी का उचित प्रबंध किया जाए।

भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों से लोगों के जीवन में आया बदलाव

चरखी दादरी। ग्रामीणों को संबोधित करते सांसद धर्मबीर के पुत्र मोहित चौधरी।

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व मे भाजपा सरकार देश व प्रदेश में अभूतपूर्व तरक्की कर तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मोहित चौधरी सोमवार को अपने धन्यवादी दौरे के दौरान गांव समसपुर, खातीवास, लोहारवाड़ा, भागवी, सवरूपगढ़, सातोर, निमली, कन्हेटी, मोरवाला, बिगोवा, इमलोटा आदि गांवों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से ग्रामीणों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाओं से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

डीसी ने जागरूकता वाहन को दिखाई झंडी

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देते हुए बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान कर रही है। बेहतरीन शैक्षणिक माहौल देते हुए बच्चों को शिक्षा के साथ अपने संस्कारों से जोड़े रखते हुए कुशल मार्गदर्शन किया जा रहा है, जिसमें राजकीय विद्यालय सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को चाहिए कि वे समय के अनुसार अपनी शिक्षा में सकारात्मक बदलाव को प्राथमिकता दें। डीसी मुनीश शर्मा ने सोमवार को शिक्षा विभाग की ओर से शहीद दलबीर सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में आयोजित प्रवेश उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित किए गए प्रवेश उत्सव विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने में कारगर सिद्ध होंगे।

बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन अलर्ट

- अक्षय तृतीया पर होने वाली शादियों पर प्रशासन की नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन अलर्ट हो गया है। अक्षय तृतीया पर होने वाली शादियों पर प्रशासन की पूरी नजर है। अधिकारी दूल्हा और दुल्हन की उम्र की जांच करेगी। आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया का शुभ मुहूर्त है, जोकि सार्वजनिक रूप से आख्या तीज के नाम से भी जाना जाता है।

सामाजिक प्रथा अनुसार इस शुभ मुहूर्त पर लोगों द्वारा बड़ी संख्या में विवाह, शादियों का आयोजन किया जाता है। जिसकी आड़ में लोगों द्वारा काफी संख्या में बाल विवाह को भी संपन्न किया जाता है। बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है बल्कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार कानूनन अपराध है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने सोमवार को बाल विवाह को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

चरखी दादरी। बाल विवाह को लेकर समीक्षा बैठक करते उपायुक्त।

उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया के अवसर पर 30 अप्रैल को विवाह करवाने वाले पुजारी, पाठी, गांव के पंच, सरपंच, नंबरदार व शहरों में नगर पार्षदों एवं सामुदायिक केंद्र, सार्वजनिक भवन, बैंकट हाल, मैरिज पैलेस, धर्मशाला इत्यादि के मालिक, प्रभारियों कार्ड प्रिंटिंग, फोटोग्राफर, बैंड बाजा व टेंट हाउस आदि के संचालकों को निर्देश दिए गए है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले विवाह समारोह के संबंध में पहले से दूल्हा व दुल्हन के आयु प्रमाण पत्रों की जांच कर लें व आयु प्रमाण पत्रों की एक प्रति अपने पास भी रखे। अपने क्षेत्र में बाल विवाह का आयोजन न होने दें।

कानून में 2 साल की जेल का प्रावधान

उपायुक्त ने बताया कि विवाह के लिए लड़की की शादी की उम्र 18 वर्ष व लड़के की शादी की उम्र 21 वर्ष निर्धारित की गई है। इससे पूर्व विवाह करना कानून अपराध है। नियम के तहत बाल विवाह के आयोजन में भागीदार सभी लोगों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने का भी प्रावधान है, जिसके तहत 2 साल की जेल व एक लाख रूपये तक के जुर्माने का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। बाल विवाह के आयोजन के संबंध में सूचना समय रहते नजदीक के पुलिस थाना, चौकी में, आंगनवाड़ी वर्कर, डब्ल्यू सीडीपीओ, बाल संरक्षण अधिकारी, एसडीएम, व पुलिस कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 पर दी जा सकती है।

धनाना की मंडी में गेहूं उठान प्रक्रिया ठप

- मौसम खराब हुआ तो हो सकता हैं करोड़ों का गेहूं खराब : अजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव धनाना में 1 अप्रैल से मंडी खुल गई थी तथा 12 अप्रैल से गेहूं की खरीद आरंभ हो गई थी। मंडी में अभी तक पांच लाख से अधिक गेहूं के कट्टे आ चुके हैं, ये बात भारतीय किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय सलाहकार किसान नेता अजीत बॉडी घणघस ने मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद की जांच करते हुए कही। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग सवा तीन लाख गेंहू के कट्टों की खरीद हो चुकी है, लेकिन अभी तक केवल 30 हजार 400 कट्टों का ही उठान हो पाया है। उन्होंने कहा कि गेहूं उठान प्रक्रिया बहुत ही धीमी चल रही है, अगर मौसम खराब हो गया तो धनाना की मंडी में अरबों रुपयों का गेहूं खराब हो जाएगा। इस अवसर पर अशोक जताई, अनिल मित्ताथल, राजेश घुसकानी, जोगिन्द्र धनाना, मुकेश बागड़ी बड़ेसरा, राजेश घुसकानी, जसबीर मित्ताथल, दलशेर कुचपड़, ऋषि जताई, सोमवीर सुखपुरा, संदीप बागड़ी, फोरड धनाना, बलवान धनाना आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। धीमी उठान प्रक्रिया को लेकर विरोध जताते ग्रामीण व मंडी में पड़ा गेहूं।

मजदूरों को भी काम नहीं मिल पा रहा

उन्होंने कहा कि गेहूं का उठान नहीं होने के कारण पिछले वर्ष की करोड़ों रुपयों का गेहूं खराब हुआ था। गेहूं का उठान नहीं होने के कारण यूपी व बिहार से आए मजदूरों को भी काम नहीं मिल पा रहा, जिसकारण उनके परिजनों के समक्ष रोजी रोटी का संकट गहरा रहा है। उन्होंने जब इसके बारे में ठेकेदार से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि उनकी गाड़ी आगे खाली नहीं हो रही। उन्होंने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन से मांग की कि गांव धनाना की मंडी में गेहूं की उठान प्रक्रिया को तेज किया जाए तथा गेहूं खरीद के 24 घंटे के अंदर-अंदर किसानों के खाते में पैसा डाला जाए। उन्होंने बताया कि गेहूं उठान को लेकर मंडी एसोसिएशन व आढ़ती अधिकारियों से मिल चुके हैं।

चौ. भगवान सिंह पटवारी नहीं रहे

- 1962 में चीन के साथ, 1965 में पाकिस्तान व 1971 में भी पाकिस्तान के साथ लड़ाई लड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

झोझु निवासी भगवान सिंह पटवारी ने सोमवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार के पैतृक गांव में झोझू में किया। इस दौरान गांव के अलावा आसपास इलाके के अनेक लोग शामिल हुए।

वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गए है। वे अपने परिवार में एक पुत्र (मास्टर जयपाल सिंह), तीन पुत्री व एक सुपौत्र व एक सुपौत्री छोड़कर गए है। उनका जन्म 14 जनवरी 1936 को हुआ था। उनमें देशभक्ति की भावना कूट कूट कर भरी हुई थी। 1962 में पटवारी की नौ क री छो ड़ क र ए ए स सी आर्मी में भर्ती हो गए। 1962 में चीन के साथ, 1965 में पाकिस्तान व 1971 में भी पाकिस्तान के साथ लड़ाई लड़ी। वह हमेशा हैड ऑफिस में क्लर्क की वी आ ई पी डयूटी में रहे। जिसमें उनको बेस्ट क्लर्क का अ वा ड मिला। वे हमेशा सेना में रहते हुए और बाद में सेवानिवृति के बाद भी समय के पाबंद रहे। हर किसी के दुःख व सुख में शामिल होते थे। गरीब व जरूरत मंद लोगों की मदद के लिए हमेशा अग्रणी रहते थे। वे देश सेवा के साथ साथ समाज सेवा में भी बढ चढकर भाग लेते थे। उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से समाज को एक गहरा आघात पहुंचा है। उनके निधन से जो क्षति हुई वह अपुर्णीय है।

स्व. चौ. भगवान सिंह पटवारी।

जय हिन्द आयुर्वेद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी

भिवानी का पहला हेल्थ केयर जहां नाड़ी डिजिटल मशीन से देख कर रिपोर्ट कार्ड साथ दिया जाता है ताकि उचित इलाज किया जा सके।

- जैसे गाड़ी की सर्विस करवाते हो वैसे ही अपनी बॉडी की सर्विस करवाए ताकि बीमारी पास ही न आए।
- सभी बीमारियों का इलाज दवा से और बिना दवा के।
- लीपोमा की गांठ बिना ऑपरेशन इलाज।
- पीत पथरी, किडनी की पथरी,पेट की सभी बीमारी का इलाज।
- शुगर का इलाज,बवासीर और भगंदर का इलाज।
- औरतों की सभी बीमारी का इलाज।
- एक ही जगह सभी थैरपी फिजियो थैरपी, नाचरोथर्पी (मिट्टी पानी से इलाज), एक्यूप्रेशर थैरपी,कप थैरपी, योगा थैरपी, और बिना किसी साइड इफेक्ट के इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सभी बीमारी का इलाज।
- सभी थेरेपी का डिप्लोमा और अनुभवी डॉक्टर द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है।
- अपने बॉस खुद बने और बेरोजगारी से मुक्ति पाए महीने का 30/50 हजार कमाए खुद थेरेपिस्ट बने।

Dr. Krishan Singh
(Naturopath) (रिटायर्ड फौजी)
BEMS, DNYS (MD), D.Ay.A, D.ma.T, D.Ay, D.P.K., DPT

मकान न. 4, पटेल नगर, सीआईडी ऑफिस के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र: 6005452863

हाल ही में भिवानी की नौ कॉलोनियों को किया गया है वैध

अप्रूव्ड हुई कॉलोनियों की रजिस्ट्री खुलवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हाल ही में स्थानीय निकाय विभाग द्वारा भिवानी की नौ कॉलोनियों को वैध किया गया है। अब यहां पर जमीन की रजिस्ट्री खुलने व सरकारी सुविधाएं मिलने की संभावना बन गई। चूंकि इन मांगों को लेकर सोमवार को पार्षद सुभाष तंवर व संदीप यादव ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और जल्द ही इन कॉलोनियों के प्लाटों की रजिस्ट्री शुरू करवाए जाने की मांग की। उनका तर्क था कि रजिस्ट्री खुलने के बाद सरकारी राजस्व में बढौतरी होगी और इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक भी मिलेगा। जिस पर एसडीएम ने उनकी मांग को जल्द पूरा करवाए जाने का भरोसा दिलाया। सोमवार को एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में पार्षदों ने बताया कि विगत में सरकार ने डॉबर कॉलोनी, कोंट रोड, बैंक कॉलोनी, विद्यानगर के अलावा कई अन्य कॉलोनियों के कुछ हिस्से को अप्रूवड किया था।

भिवानी। अप्रूवड कॉलोनियों की रजिस्ट्रियां खुलवाने की मांग को लेकर मांगपत्र सौंपते हुए।

ले आऊट प्लान मिलने का इंतजार

बाद में पार्षदों ने तहसीलदार को मांगपत्र सौंपा। इस पर पार्षदों ने तहसीलदार से शीघ्र अप्रूवड हुई कॉलोनियों की रजिस्ट्री खुलवाए जाने की मांग की। तहसीलदार ने बताया कि वे लगातार नगरपरिषद के सम्पर्क में है। जिस दिन नगरपरिषद अप्रूवड कॉलोनियों का ले आऊट प्लान व अन्य खाका उपलब्ध करवा देगी। उसी दिन से इन कॉलोनियों की रजिस्ट्रियां शुरू करवा दी जाएगी।

मालिक होने के बाद मालिकाना हक नहीं

पार्षदों ने बताया कि इन कॉलोनियों में अनेक मकान बने है। सभी लोग अपने अपने घरों में रह रहे है। मकान के मालिक तो है,लेकिन उनके पास मालिकाना हक नहीं है। जिस वक्त उन्होंने भूमि का भूखंड लिया था। उस वक्त केवल एक शपथ पत्र से ही मालिकाना हक मिला था। अरसा बीतने के बाद भी इन कॉलोनियों की रजिस्ट्री बंद है। जिसकी वजह से उनको आज तक मालिकाना हक नहीं मिला है। पार्षद सुभाष तंवर ने बताया कि अगर रजिस्ट्री खुल जाती है उनको जल्द ही मालिकाना हक मिल जाएगा। वे अपने मकानों को अगर बेचना चाहे तो बेच सकेंगे तथा नया खरीदना चाहे तो खरीद सकेंगे।

मूलभूत सुविधाओं के लिए नहीं पड़ेगा तरसना

कॉलोनी वैध की श्रेणी में आने के बाद यहां पर सरकार द्वारा दी जाने वाली सारी सुविधाएं मिल सकेंगी। मसलन बिजली, पानी व पानी की निकासी की सही व्यवस्था बन सकेगी। अब इन कॉलोनियों को अप्रूवड की श्रेणी में तो शामिल किया गया है,लेकिन अभी तक इनमें कोई सुविधाए नहीं दी जा रही है। न ही इन कॉलोनियों के विकास के लिए कोई खाका तैयार किया गया है। जिस वजह से लोगों को सड़कों पर आना पड़ रहा है।